P-533

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-505

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. छात्र के शैक्षणिक क्षेत्र में ज्योतिषशास्त्र की भूमिका का प्रतिपादन कीजिए।

2. समाज के उत्थान में होराशास्त्र की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

3. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार स्फुट दिक् साधन की विधि का निरूपण कीजिए।

4. होराशास्त्र जातक के जन्म कुण्डली के द्वारा रोग का निर्धारण कैसे करता है? स्पष्ट कीजिए।

5. पाश्चात्य मतानुसार सौर परिवार का परिचय दीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार काल के मूर्त एवं अमूर्त भेदों का प्रतिपादन कीजिए।

2. आधुनिक मतानुसार पृथ्वी के स्वरूप का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

3. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त का प्रतिपादन कीजिए।

4. रोगों के उपचार में प्रयुक्त होने वाले ग्रहों के रत्न एवं मन्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5. ज्योतिषशास्त्र के अनुसार प्रलय के सिद्धान्त का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

6. होराशास्त्र में किन-किन भावों से रोग का विचार किया जाता है? स्पष्ट करें।

7. द्वादश भावों से विचारणीय विषयों का परिचय दीजिए।

8. भारतीय ज्योतिष के तीनों स्कन्धों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।